

“मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स क्रम. सं. - 72”

(दिनांक 05/09/2022से 17/09/2022 तक)

आंतरिक सुरक्षा अकादमी ने मिडिल कमांड मैनेजमेंट कोर्स का आयोजन किया। यह कोर्स क्रम संख्या. 72 आयोजित किया गया। देशभर से इस कोर्स में केरिपुबल के कुल 14 द्वितीय कमान अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, केरिपुबल, ने पाठ्यक्रम के उद्घाटन और समापन की शोभा बढ़ाई। प्रतिभागियों को अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने हमारे बल की बहुमुखी प्रकृति और कमांडेंट के रूप में उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की।

उन्होंने प्रतिभागियों को अपने समापन भाषण में पाठ्यक्रम पूरा करने पर बधाई दी। उन्होंने नेतृत्व के गुणों के बारे में भी बताया।



श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, केरिपुबल द्वारा उद्घाटन किया गया।

आंसुअ के अधिकारियों के अलावा विभिन्न प्रख्यात वक्ता जैसे श्री एम एल कुमावत, महानिदेशक (सेवानिवृत्त), डॉ नंदितेश निलय, निदेशक, टीआरएएनसी, प्रो पीके जैन, डॉ बीके बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार, श्री पंकज मठपाल, वित्तीय योजनाकार, मुंबई, डॉ प्रताप सिंह, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त), प्रो. डॉ. संगीता मलिक, दिल्ली, श्री कृष्ण मोहन, भाप्रसे(सेवानिवृत्त), श्री एल.एन. मिश्रा, उप महानिरीक्षक, गुप केंद्र, बिलासपुर, ब्रिगेडियर गुरगोपाल सिंह, उप महानिरीक्षक (यांत्रिकी), कार्य विभाग, श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने भी उक्त कोर्स में अपना योगदान दिया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। श्री विनोद रावत और श्री. अनूप कुमार सिंह को सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी के रूप में सम्मानित किया गया।



श्री एम. एल. कुमावत, महानिदेशक (सेवानिवृत्त) "यूनिफार्म सेवाओं में नेतृत्व की चुनौतियों, सहभागी, विकासात्मक" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री शिवराज सिंह राठौर, उप समादेष्टा, आसुअ, "यूनिट स्तर पर प्रशिक्षण, प्रशिक्षण का मूल्यांकन: नवाचार और सर्वोत्तम प्रथाओं" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री मनीष कुमार, उप समादेष्टा, आसुअ, "नैतिकता मूल मूल्य, सकारात्मक रूप से यूनिट स्तर पर" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. नंदितेश निलय, निदेशक, टीआरएएनसी, प्रेरक तकनीकों, उच्च प्रदर्शन टीमों" पर व्याख्यान देते हुए।



प्रो. पी. के. जैन, "ड्राफ्टिंग एंड राइटिंग स्किल्स" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री सुनील जून, महानिरीक्षक/निदेशक, आसुअ, "एपीएआर लेखन" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. बी.के. बिन्नी सरीन, "तनाव प्रबंधन, जीवन जीने की कला" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री पंकज मठपाल, वित्तीय योजनाकार, "विभिन्न प्रकार के पेंशन, एलपीए और लाभ" पर व्याख्यान देते हुए।



ब्रिगेडियर गुरगोपाल सिंह, उप महानिरीक्षक (इंजी), कार्य विभाग, "निर्माण की निगरानी, साइट चयन एलओपी, ड्राइंग की तैयारी" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री मुकेश गहलोत, सहा कमा. (मंत्रा.), "केरिपुबल में बजट प्रबंधन, बजट की स्वीकृति और आनुपातिक उपयोग" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. वी. वी. एस. चैतन्य, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, आसुअ, "चिकित्सा उपस्थिति नियमों के संबंध में मुख्य निर्देश" पर व्याख्यान देते हुए।



डॉ. प्रताप सिंह, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त), सीआरपीसी के प्रमुख प्रावधानों और शांत व अशांत क्षेत्रों में बल के सदस्यों को सुरक्षा" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री पवन कुमार, उप समादेष्टा, आसुअ, "राजभाषा के रूप में राजभाषा के रूप में लागू करना" पर व्याख्यान देते हुए।



प्रो. डॉ. संगीता मलिक, दिल्ली, "लिंग संवेदीकरण" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री कृष्ण मोहन, भाप्रसे (सेवानिवृत्त), "इमोशनल इंटेलिजेंस एंड ट्रांजेक्शनल एनालिसिस" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री कृष्ण कुमार दुबे, सहा कमा, "उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालयों से केरिपुबल के लिए प्रासंगिक नवीनतम न्यायालय के आदेश" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री सुधीर कुमार, उप कमा, आसुअ "आंतरिक सुरक्षा के खतरों के सम्बन्ध में नवीनतम खुफिया रिपोर्ट एवं काउंटर आसूचना" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री मुकेश चौधरी, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, "हनी ट्रैप/सोशल मीडिया सुरक्षा सावधानियों के उपयोग के लिए दिशानिर्देश" पर व्याख्यान देते हुए।



श्री सुनील जून, निदेशक/महानिरीक्षक, आंतरिक सुरक्षा अकादमी , केरिपुबल द्वारा समापन सम्बोधन।